मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKE–143

बी. ए. (सामान्य) संस्कृत

(बी. ए. जी.) (बी. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एस.के.ई.–143 : संस्कृत परम्परा में दर्शन, धर्म और संस्कृति

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। इस प्रश्न-पत्र के सभी प्रश्नों के उत्तर किसी एक भाषा संस्कृत* ***या*** *हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी* ***या*** *अंग्रेजी में दीजिए, किन्तु उत्तर का माध्यम एक ही हो।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $10 \times 5 = 50$

(अ) भारतीय दर्शन के महत्वपूर्ण तत्व एवं उनकी संख्या का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ब) 'धर्म' शब्द का अर्थ बताते हुए उसके स्वरूप एवं प्रकारों का वर्णन कीजिए।

(स) कार्य-कारण सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए।

(द) भारतीय दार्शनिक सम्प्रदाय के रूप में चार्वाक, बौद्ध और जैन दर्शन की विवेचना कीजिए।

(य) 'पुरुषार्थ' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

(र) आधुनिक सन्दर्भ में विद्याध्ययन संस्कार की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

(ल) स्थितप्रज्ञ का लक्षण बताते हुए, विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 8 = 40$

(अ) त्रिगुण का व्यक्तित्व पर क्या प्रभाव पड़ता है ? इस पर प्रकाश डालिए।

(ब) गीता के कर्मयोग की विवेचना कीजिए।

(स) स्वधर्म क्या है ? गीता के अनुसार इसे स्पष्ट कीजिए।

(द) धर्मशास्त्र के आधार पर धर्म के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(य) त्रिविध गुणों के आधार पर चातुर्वर्ण्य के स्वधर्म के विभाजन का वर्णन कीजिए।

(र) भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों का वर्णन कीजिए।

(ल) वेदकालीन समाज में बहुसांस्कृतिकता का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ कीजिए :

$5 \times 2 = 10$

(अ) सांख्य दर्शन

(ब) विविधवाद

(स) सत्कार्यवाद

(द) पंच-महायज्ञ

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com